विचार प्रवाह

लॉर्ड्स में लिखा भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम इतिहास

क्रिकेट की दुनिया में यदि किसी मैदान को खेल का तीर्थ कहा जाए, तो वह लॉर्ड्स है। यहां जीत केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि सर्वोच्च गौरव का प्रतीक मानी जाती है। इसी ऐतिहासिक धरती पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऐसा स्वर्णिम इतिहास रचा, जिसने केवल रिकॉर्ड नहीं बदले, बल्कि विश्व क्रिकेट की सोच को भी नई दिशा दी। इंग्लैंड जैसी सशक्त टीम को 270 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट अब संभावनाओं का नहीं, उत्कृष्टता का पर्याय बन चुका है। यह जीत महज एक टेस्ट मुकाबले की सफलता नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, अथक परिश्रम, अटूट विश्वास और निरंतर साधना का प्रतिफल है। इस ऐतिहासिक क्षण ने करोड़ों भारतीयों के हृदय को गर्व से भर दिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट अध्याय लिख दिया।

शुरुआत से ही भारतीय टीम ने मैच पर अपना वर्चस्व स्थापित कर दिया था। गेंदबाजों ने इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। खासकर भारतीय स्पिन आक्रमण ने अपनी सटीकता और विविधता से मेजबान बल्लेबाजों को पूरी तरह जकड़ लिया। हर विकेट के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ता गया और इंग्लैंड का प्रतिरोध कमजोर पड़ता गया। बल्लेबाज़ी में स्मृति मंधाना की उपयोगी पारी और यस्तिका भाटिया के शानदार शतक (113) ने मजबूत आधार तैयार किया, जबकि मध्यक्रम की महत्वपूर्ण साझेदारियों (ऋचा घोष की नाबाद 50 रन की पारी सहित) ने बढ़त को निर्णायक बना दिया। बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाया, वहीं गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन से साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब हर विभाग में परिपक्व, संतुलित और किसी भी चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है।

जीत को इतिहास में बदलने का क्षण चौथे दिन आया। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी को मात्र 186 रनों पर समेटकर 270 रनों की ऐतिहासिक विजय पर मुहर लगा दी। यह सफलता किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण, सटीक रणनीति और अनुशासित खेल की जीत थी। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जो टीम की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी।

कप्तान की सूझबूझ, गेंदबाजों का प्रभावी उपयोग, सटीक क्षेत्ररक्षण और शानदार तालमेल ने इंग्लैंड को पूरे मैच में दबाव में रखा। मानसिक दृढ़ता और तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर भारतीय टीम हर मोर्चे पर मेजबानों पर भारी रही। इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को उसकी सरज़मीं पर हराने का दम रखती है। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली क्रांति गौड़ के 5/37 (पहली पारी) और स्नेह राणा के 4 विकेट (दूसरी पारी) ने इंग्लैंड को चित किया।

इस जीत का सबसे गौरवपूर्ण पक्ष यह रहा कि भारतीय महिला टीम ने पहली बार लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट जीत का परचम लहराया। भारतीय पुरुष टीम इस मैदान पर कई यादगार सफलताएं हासिल कर चुकी है, लेकिन अब भारतीय शेरनियों ने भी अपने प्रदर्शन से यहां अमिट पहचान बना ली।

यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, मेहनत और अर्जित आत्मविश्वास की सशक्त अभिव्यक्ति है। इंग्लैंड की सरज़मीं पर मेजबान टीम को इस अंदाज़ में हराना बताता है कि भारतीय महिला क्रिकेट अब विदेशी परिस्थितियों में भी उतना ही मजबूत और निडर है। इस विजय ने विश्व क्रिकेट को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की महिला टीम अब केवल चुनौती स्वीकार नहीं करती, बल्कि नए मानक गढ़ने के इरादे से मैदान में उतरती है।

भारतीय महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि उन संघर्षपूर्ण दिनों की याद भी दिलाती है, जब सीमित संसाधनों, कम अवसरों और उपेक्षा के बीच खिलाड़ियों ने अपने हौसले को जीवित रखा। आज वही संघर्ष विश्व मंच पर सम्मान बनकर चमक रहा है। स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और यस्तिका भाटिया जैसी खिलाड़ियों ने केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां ही नहीं, बल्कि टीम भावना से सामूहिक सफलता की नई मिसाल भी कायम की।

आपसी विश्वास और एकजुटता ने हर चुनौती को अवसर में बदल दिया। यह जीत उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो छोटे शहरों, गांवों और साधारण मैदानों से भारत की जर्सी पहनने का सपना देखती हैं। भारतीय शेरनियों ने सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा, परिश्रम और अटूट संकल्प के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती।

इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय केवल खिलाड़ियों को नहीं जाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा महिला क्रिकेट को बेहतर सुविधाएं, प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल ने इस बदलाव की मजबूत नींव रखी है। खेलों को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने भी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहे हैं। फिर भी यह मंजिल नहीं, बल्कि नई शुरुआत है। आगे विश्व कप, एशिया कप और द्विपक्षीय श्रृंखलाओं जैसी कठिन परीक्षाएं इंतजार कर रही हैं। इसलिए इस जीत को निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन में बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। यदि यही समर्पण, अनुशासन और टीम भावना कायम रही, तो भारतीय महिला क्रिकेट विश्व की अग्रणी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकेगा।

लॉर्ड्स की यह जीत भारतीय खेल जगत का ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जिसे समय कभी धूमिल नहीं कर सकेगा। जब भी कोई युवा खिलाड़ी कठिनाइयों से निराश होगा, यह मुकाबला उसे साहस, धैर्य और आत्मविश्वास की नई प्रेरणा देगा। भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि प्रतिभा का मूल्य अवसर से तय होता है, लिंग से नहीं।

यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि समान अवसर, महिला सशक्तिकरण और बड़े सपनों की बुलंद उड़ान का प्रतीक है। इंग्लैंड पर 270 रनों की यह प्रचंड विजय वर्षों तक भारतीय क्रिकेट की प्रेरक पहचान बनी रहेगी। लॉर्ड्स से गूंजी यह गाथा दुनिया को बता गई कि भारतीय महिला क्रिकेट अब इतिहास का हिस्सा भर नहीं, बल्कि नया इतिहास गढ़ने वाली ताकत बन चुका है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत
बड़वानी (मप्र)

नाली के बीच मौत का खंभा

शिकायतों के बाद भी नहीं हटा बिजली पोल, हादसे की आशंका से दहशत में रहवासी

महेश्वर ।(इंदौर समाचार सुनिल गाडगे)। नगर के वार्ड क्रमांक 2 स्थित लक्ष्मीबाई मार्ग पर बहती नाली के बीच वर्षों से खड़ा बिजली विभाग का लोहे का पोल स्थानीय रहवासियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। रहवासियों का आरोप है कि यह पोल नियमों के विपरीत नाली के बीच लगाया गया है और बारिश के मौसम में इसमें कंपन तथा करंट आने जैसी स्थिति बनने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय निवासी विकास सक्सेना ने इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मंडलेश्वर को लिखित आवेदन देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि संबंधित मार्ग नर्मदा पुल से मुख्य मार्ग होने के साथ ही पास में विद्यालय भी स्थित है, जिससे दिनभर बच्चों, महिलाओं और श्रद्धालुओं सहित बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में यदि कोई दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह बड़ा सवाल बन गया है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि इस मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत क्रमांक 39108342 के तहत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ। उन्होंने यह भी दावा किया कि बिजली विभाग द्वारा पोल को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने का प्राक्कलन और कार्य आदेश तक जारी किया जा चुका है, इसके बावजूद आज तक पोल नहीं हटाया गया।

रहवासियों का आरोप है कि बरसात में नाली में लगातार नमी रहने से पोल कमजोर हो चुका है और उसमें कंपन महसूस होता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय तत्काल पोल को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कराया जाए।

अब देखना होगा कि प्रशासन और बिजली विभाग इस गंभीर शिकायत पर कितनी तेजी से कार्रवाई करते हैं या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही व्यवस्था जागेगी।

15 जुलाई को दिशा बैठक का किया जाएगा आयोजन

आलीराजपुर। मुख्या कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संघमित्रा गौतम ने बताया जिला विकास समन्वयज और निगरानी समिति (दिशा) बैठक रतलाम-झाबुआ सांसद श्रीमति अनिता नागरसिंह चौहान की अध्य क्षता में दिनांक 15 जुलाई 2026 को प्रातः 11:30 बजे कलेक्ट्रे ट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी।

बैठक में मुख्यित- जिला पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, पीएचई, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वा स्थ विभाग आदि से संबंधित विभागों की योजनावार समीक्षा की जाएगी।

महेश्वर में दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का शुभारंभ

अब घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य टीम, 5 वर्ष तक के बच्चों को मिलेगा ओआरएस और जिंक

महेश्वर। बारिश के मौसम में बच्चों को डायरिया, निमोनिया और कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेश्वर में दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।

अभियान के तहत अस्पताल की ओपीडी में ओआरएस कॉर्नर स्थापित किया गया, जहां बीएमओ डॉ. अतुल गौर के निर्देशन में नर्सिंग ऑफिसर मोनू परमार एवं राधिका कौशल ने उपस्थित लोगों को ओआरएस घोल बनाने की सही विधि और उसके उपयोग की जानकारी दी।

अभियान के अंतर्गत विकासखंड महेश्वर में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों वाले प्रत्येक घर का सर्वे किया जाएगा। महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एकत्र करेंगी तथा प्रत्येक बच्चे के लिए दो ओआरएस पैकेट और 14 दिनों के लिए जिंक टेबलेट वितरित करेंगी।

साथ ही दस्त, डायरिया, निमोनिया, कुपोषण एवं एनीमिया से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उनका उपचार एवं आवश्यकता अनुसार रेफर किया जाएगा।

ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर मीनाक्षी माहुले ने बताया कि यह विशेष अभियान 14 जुलाई से 31 दिसंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य क्षेत्र के सभी छोटे बच्चों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, समय पर बीमारी की पहचान करना तथा मृत्यु दर में कमी लाना है।

बीईई के.एन. शुक्ला ने बताया कि अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता समुदाय में हाथ धोने की सही विधि, स्वच्छता, ओआरएस घोल तैयार करने और उसके उपयोग, बच्चों का नियमित वजन, विटामिन-ए घोल तथा माताओं को स्तनपान संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देकर जागरूक करेंगी। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि हर परिवार तक आवश्यक स्वास्थ्य संदेश और उपचार सामग्री समय पर पहुंचे।

कार्यक्रम में मलेरिया निरीक्षक रविंद्र पालनपुर, स्वास्थ्य सुपरवाइजर संगीता सेन, भगवती वर्मा, फार्मासिस्ट कविता चौहान, सूर्य प्रकाश मंडलोई, साजिद खान सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वर्षा ऋतु में सर्पदंश से रहें सतर्क, झाड़-फूंक के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचें- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अतुलकर

आलीराजपुर। वर्षा ऋतु के दौरान सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि की संभावना को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश अतुलकर ने आमजन की जागरूकता के लिए आवश्यक एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि सर्पदंश की स्थिति में घबराने या झाड़-फूंक कराने के बजाय पीड़ित व्यक्ति को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना आवश्यक है। सर्पदंश का प्रभावी उपचार एंटीवेनम से किया जाता है, जो शासकीय चिकित्सालयों में उपलब्ध है। सीएमएचओ डॉ अतुलकर ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में मरीज को धैर्य दिलाएं और उसे अधिक हिलने-डुलने न दें। घाव को पानी से धोकर साफ कपड़े से ढक दें तथा तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर या उपलब्ध साधन से मरीज को अस्पताल पहुंचाएं। सर्पदंश वाले हिस्से में सूजन की संभावना को देखते हुए बेल्ट, घड़ी, अंगूठी और अन्य आभूषण हटा दें। यदि संभव हो तो सांप के रंग, आकार या पहचान से संबंधित जानकारी तथा काटने के समय की जानकारी चिकित्सक को दें, लेकिन सांप को पकड़ने या मारने का प्रयास न करें। साथ ही सर्पदंश वाले स्थान को काटें या चूसें नहीं। रक्त रोकने के लिए कसकर पट्टी न बांधें तथा बर्फ लगाने या मालिश करने से बचें। झाड़-फूंक, जड़ी-बूटी या घरेलू उपचार में समय न गंवाएं। स्वयं इलाज करने के बजाय मरीज को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य संस्था में पहुंचाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अतुलकर ने सर्पदंश से बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि बाहर निकलते समय पैरों को ढकने वाले जूते पहनें। रात में टॉर्च का उपयोग करें और हाथ या पैर रखने से पहले स्थान को अच्छी तरह देख लें। फर्श पर सोने से बचें तथा मच्छरदानी को अच्छी तरह दबाकर लगाएं। घर और आसपास के परिसर को साफ-सुथरा रखें तथा चूहों की संख्या को नियंत्रित करें।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय की जर्जर छत की मरम्मत की मांग

विधायक ने लिखा जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र

सनावद(विजय गुप्ता) चांदनीपुरा स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय भवन की क्षतिग्रस्त छत की मरम्मत की मांग विद्यार्थियों,पालकों और शिक्षकों ने विधायक सचिन बिरला से की है।विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय भवन की छत जर्जर हो चुकी है और प्लास्टर उखड़ गया है।इस कारण कक्षाओं में बारिश का पानी टपकता है।

छत का प्लास्टर गिरने से दुर्घटना घटित हो सकती है।

विधायक ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र (समग्र शिक्षा अभियान) को पत्र लिख कर विद्यालय की छत की मरम्मत और भवन के सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिए। पत्र में कहा गया है कि विद्यालय भवन की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और विद्यालय भवन की छत पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हो चुकी है।

वर्तमान में बारिश के मौसम में छत से बहुत अधिक मात्रा में पानी का रिसाव हो रहा है और कक्षाओं में पानी भर जाता है। इस कारण विद्यालय में अध्ययनरत छोटे बच्चों को बैठने और पढ़ाई करने में अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर छत के कारण बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

यह स्थिति बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील है।पत्र में कहा गया है कि बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए विद्यालय की समस्याओं का त्वरित समाधान अत्यंत आवश्यक है। पत्र में कहा गया है कि विद्यालय भवन का तकनीकी विशेषज्ञ से तत्काल निरीक्षण करवाया जाए और विद्यालय की छत की मरम्मत एवं आवश्यक जीर्णोद्धार कार्य हेतु पर्याप्त राशि स्वीकृत की जाए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो चचेरे भाइयों की सड़क हादसे में मौत

खरगोन । मुख्यालय से 9 किलोमीटर की दूरी पर खरगोन- इंदौर रोड़ पर सोमवार- मंगलवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में खरगोन के दो युवकों की दुखद मौत हो गई। हादसे में एक अन्य युवक भी गंभीर रुप से जख्मी हुआ है, जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जिला अस्पताल से मिली जानकारी अनुसार संजय नगर चार रास्ता निवासी आदित्य सुखदेव कर्मा (20) और आदर्श विनोद कर्मा (20) निवासी गंधावड़ हाल मुकाम चार रास्ता संजय नगर की सड़क दुर्घटना में दुखद मौत हो गई। दोनों चचेरे भाई थे। आदित्य को रात करीब 2 बजे मृत अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया था, जबकि आदर्श को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया था, जिसने रास्ते में दम तोड़ दिया। दोनों का पीएम जिला अस्पताल में कराया गया। इस हादसे में एक अन्य युवक तिलोक कुमावत निवासी लक्ष्मीनगर कालाखेत भी गंभीर रुप से घायल हुआ है। हादसा मेनगांव और निमगुल के बीच हुआ। मृतक के परिजनों के मुताबिक आदित्य और आदर्श रात करीब 10 बजे बाईक से मंगलवार को अमावस्या होने से नर्मदा स्नान के लिए घर से निकले थे। रात करीब 1.30 बजे उनके सड़क हादसे में घायल होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु की है।

SMFG IndiaCredit
SMFG INDIA CREDIT COMPANY LIMITED

आधिपत्य की सूचना

(अचल संपत्ति बाबद) (अंतर्गत नियम 8 (1) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002)

यह कि अधोहस्ताक्षरकर्ता के द्वारा एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड पंजीकृत कार्यालय कॉर्पोरेशन हॉल आईटी पार्क, टॉवर सी पहली मंजिल, क्रमांक 111 मार्ट्ट पुष्पमाला रोड, पैरेल, पोर्ट- 600116, कॉर्पोरेट कार्यालय 10वीं मंजिल कार्यालय क्रं. 101, 102 एवं 103, 2 पार्थ एनेक्स, मेकर मैक्सिटी,बांद्रा कुर्ला कामपलेक्स बांद्रा (ई), मुंबई - 400051 के द्वारा निर्दिष्ट अधिकारी का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (क्रमांक 54 सन 2002) एवं अधिनियम की धारा 13 (12) सहपठित नियम 3 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयुक्त करते हुए दिनांक नोटिस जारी कर निम्न ऋणीगणों को निम्ननुसार वकाया निकट रही राशि को नोटिस प्राप्त होने से 60 दिवस की अवधि में भुगतान करने की मांग की थी। चूंकि ऋणिगण नोटिस में वर्णित वकाया राशि का भुगतान करने में विफल हो गए हैं। आतएव ऋणीगणों को एवं सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता के द्वारा निम्न वर्णित संपत्तियों का अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) सहपठित नियम 8 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत आधिपत्य प्राप्त कर लिया है।

ऋणीगणी/सहऋणीगणी/जमानत दारों के नाम व ऋण खाता क्र	डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि	बंधक रखी गई अचल सम्पत्ति/सम्पत्तियों का विवरण	आधिपत्य की तिथि व प्रकार
ऋण खाता क्रमांक : (21312091107252 1) (1) चेतन ट्रेडर्स (2) चेतन भतलाल (3) भारती पाटीदार	दिनांक : 25-04-2026 रुपए 2026207/- (रुपए बीस लाख छब्बीस हजार दो सौ सात मात्र) दिनांक : 08 अप्रैल 2026 तक	सम्पत्ति स्वामी : चेतन पिता भरतलालजी एवं आती पाटीदार पति चेतन पाटीदार, भूखंड क्रमांक 07, प.ह. क्रमांक 16, ग्राम राजपुरा कुटी, तहसील महू जिला इन्दौर मध्यप्रदेश स्थित सम्पूर्ण सम्पत्ति कुल क्षेत्रफल 195.6 वर्गमीटर, 2100 वर्गफीट, सम्पत्ति सिवाना पूर्व : स्वयं की भूमि, पश्चिम : प्रकाश पाटीदार की भूमि, उत्तर : सड़क, दक्षिण : स्वयं की भूमि	13/07/2026 (सांकेतिक अधिपत्य)
ऋण खाता क्रमांक : (21312131176965) (1) भारत होटल एंड रेस्टोरेंट्स, (2) सारिकाबाई (3) सेवकराम पोगयान (4) चम्पाबाई (5) भतलाल सज्जाराम	15-04-2026 रुपए 7040053.22/- (रुपए सत्तर लाख चालीस हजार तिरेपन व बाईस पैसे मात्र) दिनांक : 07 अप्रैल 2026 तक	भूखंड/भवन जो कि सर्वे नंबर 174 पटवारी हल्का नंबर 38, ग्राम गंगाल, तहसील सनावद एवं जिला खरगोन वेंचमार्क 9579.96 वर्गफीट चतुर्सीमा : पूर्व : सड़क, पश्चिम : गुलाबचंद एवं रामेश्वरम पटेल, उत्तर : बलराम का बाड़ा, दक्षिण : कनैरीराम चेनराम एवं अन्य की भूमि	13/07/2026 (सांकेतिक अधिपत्य)

ऋणीगणों को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण को एतद्वारा सचेत किया जाता है कि वे निम्न वर्णित संपत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार नहीं करें। इस संपत्तियों के संबंध में किए गए किसी भी तरह के संव्यवहार एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड का उपरोक्त वर्णित राशि एवं आगे की ब्याज लागतों हेतु प्रभार रहेगा। ऋणीगण का ध्यान अधिनियम की धारा 13(8) में प्रतिभूत आस्ति को बकाया राशि का भुगतान कर वापस प्राप्त करने हेतु उपलब्ध समय अवधि की तरफ भी आकर्षित किया जाता है।

तिथि : 15-07-2026
स्थान : इन्दौर, खरगोन

प्राधिकृत अधिकारी
एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड